महाराणा प्रताप महाविद्यालय
29-12-23
ग्रन्थालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

SAN 303

B.A. Vth SEMESTER EXAMINATION, 2023-24

संस्कृत

(व्याकरण)

AFFIX PRESCRIBED RUBBER STAMP

Date (तिथि) : ____________________

Paper ID

(To be filled in the OMR Sheet)

1739

अनुक्रमांक (अंकों में) :
Roll No. (In Figures) :

अनुक्रमांक (शब्दों में) : ______________________________

Roll No. (In Words) : ______________________________

Time : 1:30 Hrs. **Max. Marks : 75**

समय : 1:30 घण्टे **अधिकतम अंक : 75**

नोट : पुस्तिका में 50 प्रश्न दिये गये हैं, सभी प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1.5 अंक का होगा।

Important Instructions :

1. The candidate will write his/her Roll Number only at the places provided for, i.e. on the cover page and on the QMR answer sheet at the end and nowhere else.

2. Immediately on receipt of the question booklet, the candidate should check up the booklet and ensure that it contains all the pages and that no question is missing. If the candidate finds any discrepancy in the question booklet, he/she should report the invigilator within 10 minutes of the issue of this booklet and a fresh question booklet without any discrepancy be obtained.

महत्वपूर्ण निर्देश :

1. अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक केवल उन्हीं स्थानों पर लिखेंगे जो इसके लिए दिये गये हैं, अर्थात् प्रश्न पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ तथा साथ दिये गये ओ०एम०आर० उत्तर पत्र पर, तथा अन्यत्र कहीं नहीं लिखेंगे।

2. प्रश्न पुस्तिका मिलते ही अभ्यर्थी को जाँच करके सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि इस पुस्तिका में पूरे पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न छूटा तो नहीं है। यदि कोई विसंगति है तो प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के भीतर ही कक्ष परिप्रेक्षक को सूचित करना चाहिए और बिना त्रुटि की दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लेना चाहिए।

1. लट् लकार का प्रयोग होता है –
   (A) भविष्यतकाल में
   (B) भूतकाल में
   (C) आशीर्वाद में
   (D) वर्तमानकाल में
2. 'रामः पुस्तकं पठति' वाक्य में क्रियापद है।
   (A) रामः
   (B) पठति
   (C) पुस्तकं
   (D) राम
3. तिङ् प्रत्ययों की संख्या है–
   (A) 21
   (B) 9
   (C) 18
   (D) 03
4. तिङ् प्रत्यय लगते है –
   (A) संज्ञा पदों से
   (B) सर्वनाम से
   (C) धातुओं से
   (D) अव्ययों से
5. परस्मैपद के प्रत्ययों की संख्या है–
   (A) 7
   (B) 9
   (C) 21
   (D) 11
6. 'भवन्ति' में प्रत्यय है –
   (A) तिप्
   (B) झि
   (C) तस्
   (D) मिप्

7. 'गच्छथ' में प्रत्यय है–

(A) थस्

(B) थ

(C) तस्

(D) तिप्

8. 'एधते' रूप है–

(A) परस्मैपद का

(B) आत्मनेपद का

(C) सुबन्त का

(D) तद्धित का

9. आत्मेपद प्रत्यय के अन्तर्गत है –

(A) झ

(B) झि

(C) तिप्

(D) थ

10. परस्मैपद के अन्तर्गत है–

(A) ध्वम् प्रत्यय

(B) थास प्रत्यय

(C) थस प्रत्यय

(D) इट् प्रत्यय

11. बालकाः गृहं ——— रिक्त स्थान पर उचित विकल्प है–

(A) गच्छसि

(B) गच्छथ

(C) गच्छन्ति

(D) पठति

12. भू धातु लट्लकार मध्यम पुरूष द्विवचन का रूप है–

(A) भवति

(B) भवसि

(C) भवथः

(D) भवानि

13. कृत् प्रत्यय लगते हैं –

(A) संज्ञा पदों से

(B) सर्वनाम पदों से

(C) धातुओं से

(D) अव्ययों से

14. 'पठनीयम्' में धातु है–

(A) अनीयर्

(B) तव्यत्

(C) यत्

(D) पठ्

15. 'कार्यम्' में प्रकृति प्रत्यय है–

(A) कृ + यत्

(B) धृ + ण्यत्

(C) कृ + ण्यत्

(D) कृ + अनीयर्

16. 'चेयम्' में प्रकृति प्रत्यय है –

(A) चे + ण्यत्

(B) चि + ण्यत्

(C) चि + क्त्

(D) चि + यत्

17. 'पठितुम्' में प्रकृति प्रत्यय है–

(A) पाठ् + तुमुन्

(B) पठ् +तुम्

(C) पठ् + तुमुन्

(D) लिख् + तुमुन्

18. 'कारकः' में प्रकृति प्रत्यय है –

(A) कृ + अण्

(B) कृ + अक्

(C) कृ + ण्वुल्

(D) कृ +वुल्

19. 'ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति' में द्वितीया विभक्ति हुई है–

(A) अकथितं च

(B) अधिशीङ्स्थासां कर्म

(C) अनभिहिते

(D) तथायुक्तं चानीप्सितम्

20. नमः के योग में विभक्ति होती है –

(A) द्वितीया

(B) तृतीया

(C) चतुर्थी

(D) पंचमी

21. गम् को 'गच्छ' करने वाला सूत्र है –

(A) छत्वम्

(B) इषुगमियमांछ

(C) स्तोश्चुनाश्च

(D) कोई नहीं

22. आदि के क् वर्ग की इत् सं करने वाला सूत्र है–

(A) हलन्त्यम्

(B) लशक्वतद्धिते

(C) चुटू

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

23. ध्रुवमपाये ——— रिक्त स्थान भरें–

(A) सम्प्रदानम्

(B) अपादानम्

(C) कर्ता

(D) कर्म

24. गत्वा में प्रत्यय है–

(A) त्वा

(B) क्त्वा

(C) जित्वान्

(D) असुच्

25. भवामि में दीर्घ करने वाला सूत्र है–

(A) दीर्घाज्जसि

(B) अतोदीर्घोयञि

(C) अकः सवर्णे दीर्घः

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

26. ङीष् प्रत्ययान्त शब्द है –

(A) कुमारी

(B) गौरी

(C) त्रिलोकी

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

27. णिनि प्रत्यय है–

(A) उष्णभोजी में

(B) द्युति में

(C) चिति में

(D) कृति में

28. कर्ता में प्रत्यय है–

(A) तव्यत्

(B) ण्वुल्

(C) तृच्

(D) यत्

29. वर्तमानः में प्रत्यय है –

(A) क्तवतु

(B) शानच्

(C) कानच्

(D) चानश्

30. भूतः में प्रत्यय है–

(A) तृच्

(B) क्त

(C) यत्

(D) ण्यत्

31. पठितवान् में प्रत्यय है–

(A) क्तवतु

(B) शानच्

(C) चानच्

(D) कानच्

32. कुरूचरी में प्रत्यय है–

(A) ङीप्

(B) ङीन्

(C) ङीष्

(D) दीन

33. तृतीया विभक्ति विधायक सूत्र है –

(A) तृतीया प्रभृतीन्यन्यतरस्याम्

(B) साधकतमं करणम्

(C) कर्तृकरणयोस्तृतीया

(D) अपवर्गे तृतीया

34. प्रथमा विभक्ति का सूत्र है–

(A) स्वतंत्रः कर्ता

(B) शेषे प्रथमः

(C) प्रातिपदिकार्थ लिङ्परिमाण वचन मात्रे प्रथमा

(D) प्रथमाद्वा

35. भ्वादि गण का विकरण है–

(A) श्यन्

(B) शप्

(C) उ

(D) श्नु

36. भू को 'भो' करने वाला सूत्र है–

(A) सार्वधातुकमपित्

(B) सार्वधातुकार्ध धातुकयोः

(C) तिङ्शित् सार्वधातुकम्

(D) कोई नहीं

37. 'भो' को 'भव्' करने वाला सूत्र है–

(A) अवङ्स्फोटायनस्य

(B) एचोऽयवायावः

(C) अवेस्तृञौ

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

38. 'टि' संज्ञा करने वाला सूत्र है–

(A) टितात्मनेपदानां टेरे

(B) टिड्ढाणञ्हयसज्

(C) आद्यन्तौ टकितौ

(D) अचोऽन्त्यादिटि

39. 'पठितव्यम्' में प्रत्यय है –

(A) तव्यत्

(B) अनीयर्

(C) ल्युट्

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

40. अनीयर् प्रत्यय करने वाला सूत्र है–

(A) तव्याष्ठक्

(B) अनीयरादघञ्

(C) तव्यत्तव्यानीयरः

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

41. 'तुमुन्' प्रत्यय में कर्ता होता है–

(A) असमान

(B) दूरस्थ

(C) समान

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

42. वासुदेवः में प्रत्यय है –

(A) अण्

(B) यञ्

(C) इञ्

(D) ढक्

43. आञ्जनेयः में प्रत्यय है –

(A) इञ्

(B) एय्

(C) ढक्

(D) ठक्

44. भूतपूर्वः में समास है–

(A) अव्ययीभाव समास

(B) द्वन्द्व समास

(C) तत्पुरूष समास

(D) केवल समास

45. 'ण्यत्' प्रत्यय होता है–

(A) ऋहलोर्ण्यत् से

(B) अचोण्यत् से

(C) ण्यन्तादण्यत् से

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

46. 'यत्' प्रत्यय होता है –

(A) ऋहलोर्ण्यत् से

(B) आद्यन्तौयत् से

(C) अचोयत् से

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

47. एडका में प्रत्यय है–

(A) माप्

(B) डाप्

(C) चाप्

(D) टाप्

48. 'शाङ्गरवा ऽऽ यञो ङीन्' सूत्र से बना शब्द है –

(A) कुमारी

(B) अनडुही

(C) युवति

(D) नारी

49. भवत् में प्रत्यय है–

(A) क्त

(B) शतृ

(C) कानच्

(D) तव्यत्

50. तिङ्–शित् सार्वधातुकम् सूत्र से सार्वधातुक संज्ञा होती है–

(A) ङित् की

(B) टित् की

(C) तिङ् एवं शित् की

(D) कित् की

*****